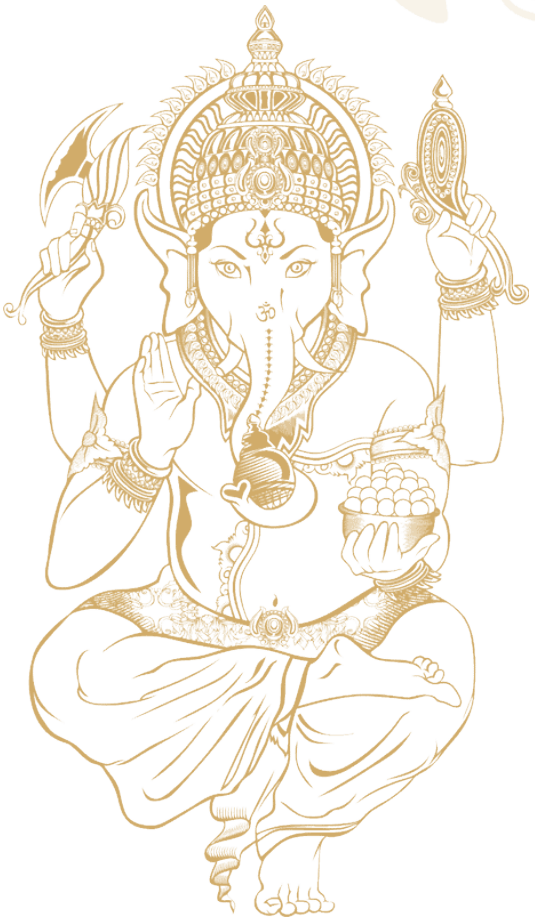

Nidhi bharti

02 Apr 1984

04:30 PM

Narkatiaganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 120970602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/04/1984**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:30:00 घंटे**
इष्ट	26:59:54 घटी
स्थान	**Narkatiaganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	27:06:00 उत्तर
रेखांश	84:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:37:56 घंटे
वेलान्तर	-00:03:34 घंटे
साम्पातिक काल	05:21:50 घंटे
सूर्योदय	05:42:02 घंटे
सूर्यास्त	18:09:42 घंटे
दिनमान	12:27:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:15:28 मीन
लग्न के अंश	27:51:30 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	बव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चित्रलता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:51:30	321:25:56	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मीन	19:15:28	00:59:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	29:49:01	12:08:00	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	04:39:29	00:02:13	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			मेष	08:10:03	01:02:15	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	18:10:59	00:04:56	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	29:43:42	01:14:00	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		तुला	21:35:34	00:03:27	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	14:14:26	00:08:03	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:14:26	00:08:03	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	19:49:54	00:00:47	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:47:29	00:00:00	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	07:37:15	00:01:35	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			वृष	27:35:52	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:57

लग्न-चलित

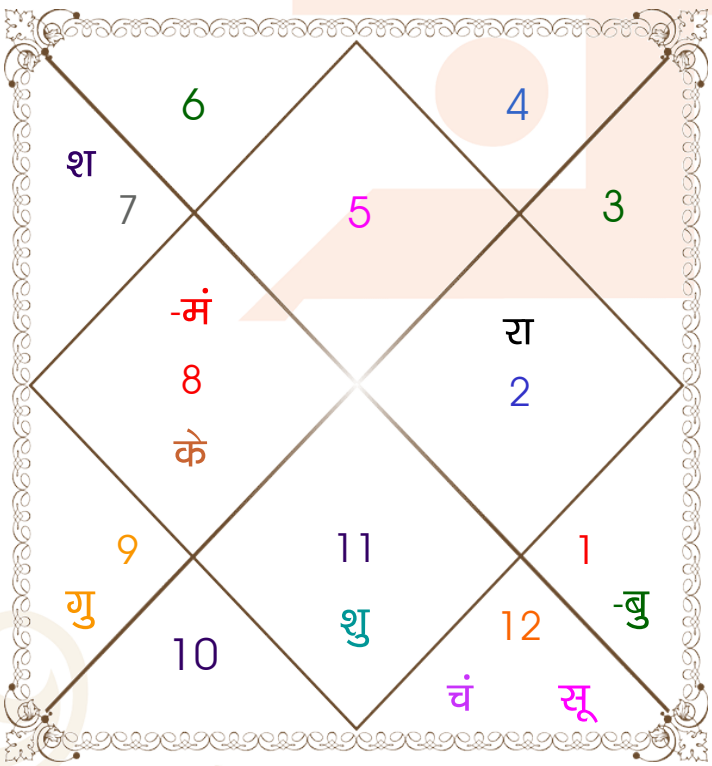

चन्द्र कुंडली

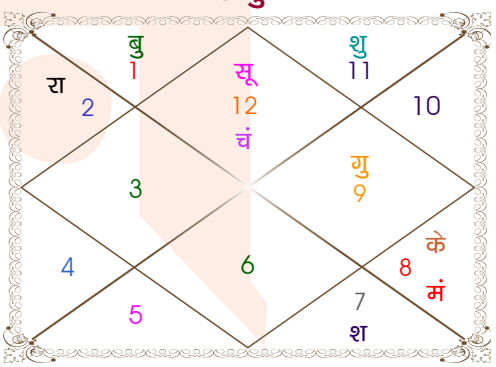

नवमांश कुंडली

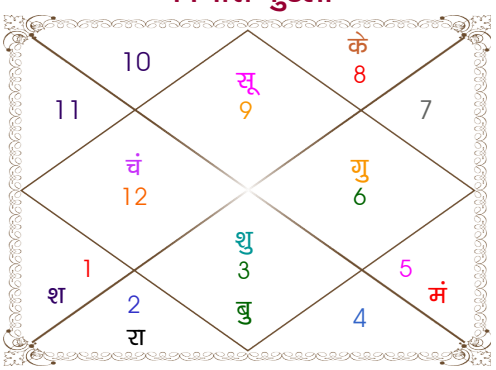

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 2 मास 24 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/04/1984		26/06/1984		27/06/1991		27/06/2011		27/06/2017	
26/06/1984		27/06/1991		27/06/2011		27/06/2017		27/06/2027	
	00/00/0000	केतु	23/11/1984	शुक्र	27/10/1994	सूर्य	15/10/2011	चंद्र	27/04/2018
	00/00/0000	शुक्र	23/01/1986	सूर्य	27/10/1995	चंद्र	14/04/2012	मंगल	26/11/2018
	00/00/0000	सूर्य	31/05/1986	चंद्र	27/06/1997	मंगल	20/08/2012	राहु	27/05/2020
	00/00/0000	चंद्र	30/12/1986	मंगल	27/08/1998	राहु	15/07/2013	गुरु	26/09/2021
	00/00/0000	मंगल	28/05/1987	राहु	27/08/2001	गुरु	03/05/2014	शनि	27/04/2023
	00/00/0000	राहु	14/06/1988	गुरु	27/04/2004	शनि	15/04/2015	बुध	26/09/2024
	00/00/0000	गुरु	21/05/1989	शनि	27/06/2007	बुध	20/02/2016	केतु	27/04/2025
	02/04/1984	शनि	30/06/1990	बुध	27/04/2010	केतु	26/06/2016	शुक्र	27/12/2026
शनि	26/06/1984	बुध	27/06/1991	केतु	27/06/2011	शुक्र	27/06/2017	सूर्य	27/06/2027

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/06/2027		27/06/2034		26/06/2052		26/06/2068		27/06/2087	
27/06/2034		26/06/2052		26/06/2068		27/06/2087		03/04/2104	
मंगल	23/11/2027	राहु	09/03/2037	गुरु	15/08/2054	शनि	30/06/2071	बुध	23/11/2089
राहु	11/12/2028	गुरु	03/08/2039	शनि	25/02/2057	बुध	09/03/2074	केतु	20/11/2090
गुरु	17/11/2029	शनि	09/06/2042	बुध	03/06/2059	केतु	18/04/2075	शुक्र	20/09/2093
शनि	27/12/2030	बुध	26/12/2044	केतु	09/05/2060	शुक्र	18/06/2078	सूर्य	27/07/2094
बुध	24/12/2031	केतु	14/01/2046	शुक्र	08/01/2063	सूर्य	31/05/2079	चंद्र	27/12/2095
केतु	21/05/2032	शुक्र	13/01/2049	सूर्य	27/10/2063	चंद्र	29/12/2080	मंगल	23/12/2096
शुक्र	21/07/2033	सूर्य	08/12/2049	चंद्र	25/02/2065	मंगल	07/02/2082	राहु	12/07/2099
सूर्य	26/11/2033	चंद्र	09/06/2051	मंगल	01/02/2066	राहु	14/12/2084	गुरु	18/10/2101
चंद्र	27/06/2034	मंगल	26/06/2052	राहु	26/06/2068	गुरु	27/06/2087	शनि	03/04/2104

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 2 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।